वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 | अंक : 285 | शुक्रवार 10 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

# राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया पर्यटन स्थलों का भ्रमण

## जोधपुर के नैसर्गिक सौन्दर्य का दिग्दर्शन कर हुए अभिभूत

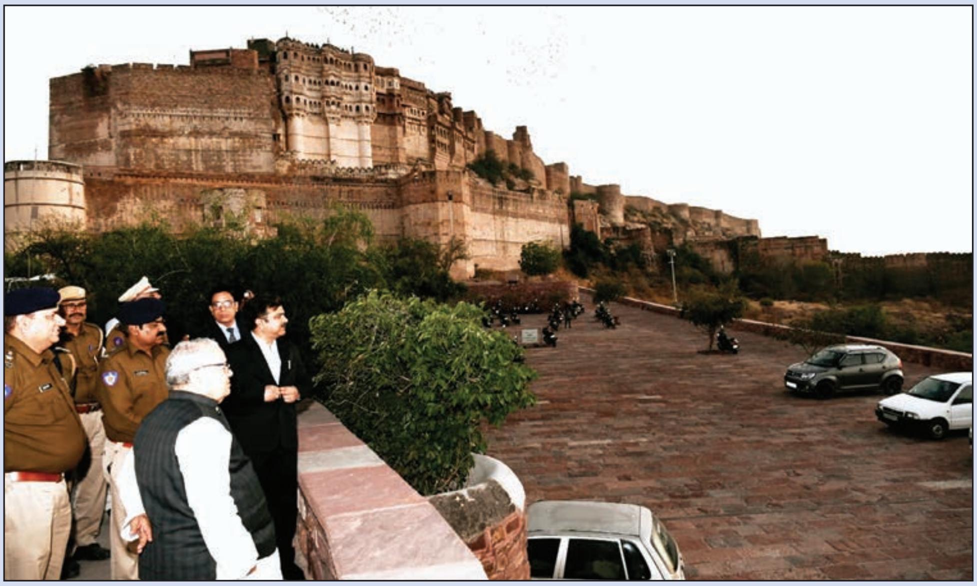

**जयपुर/जोधपुर. शाबाश इंडिया।** राज्यपाल कलराज मिश्र ने जोधपुर के विभिन्न पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया। प्राचीन विरासतों एवं नैसर्गिक सौन्दर्य का दिग्दर्शन कर वे अभिभूत हुए। राज्यपाल ने बालसमन्द झील, मण्डोर गार्डन एवं मेहरानगढ़ फोर्ट का अवलोकन किया इस दौरान राजभवन के अधिकारियों के साथ ही प्रशासन एवं पुलिस अधिकारी भी साथ थे।

### RU में छात्रनेता ने जमीन में गर्दन तक समाधि ली: कहा...

# शिक्षकों के लिए प्रदर्शन किया तो मुझ पर केस कर दिया

**जयपुर. कासं**

राजस्थान यूनिवर्सिटी में एक छात्र नेता ने जमीन में गर्दन तक समाधि ले ली। छात्र नेता खुद पर दर्ज मुकदमे समेत 3 मांगों को पूरा नहीं करने का विरोध कर रहा है। समाधि के पास स्टूडेंट्स भी धरने पर बैठे हुए हैं। दरअसल, तीन मांगों को लेकर छात्रनेता हरफूल चौधरी यूनिवर्सिटी में गुरुवार सुबह प्रदर्शन कर रहा था। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रों की मांग पर कोई जवाब नहीं दिया। आखिरकार नाराज होकर हरफूल चौधरी दोपहर 1 बजे सेंट्रल लाइब्रेरी के बाहर जमीन समाधि में बैठ गया है। कहा- जब तक उनकी तीन सूत्री मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा। उनका विरोध जारी रहेगा। साथ ही यूनिवर्सिटी प्रशासन पर तानाशाही करने का आरोप लगाया। हरफूल चौधरी ने कहा- राजस्थान की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी में 2 महीने पहले सेंट्रल लाइब्रेरी का उद्घाटन हो चुका है। अब तक छात्रों के लिए इसे शुरू नहीं किया गया है। जबकि छात्रों

के सेमेस्टर एग्जाम शुरू हो चुके हैं। ऐसे में जल्द से जल्द लाइब्रेरी स्टूडेंट्स के लिए शुरू होनी चाहिए। छात्रनेता ने कहा- यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ने आम छात्रों के पैसों से भ्रष्टाचार किया है। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसके लिए उनके खिलाफ जांच कमेटी का गठन किया जाना चाहिए।

# मामूली कहासुनी पर 9 बसों के शीशे तोड़े

## जयपुर में लो-फ्लोर बसों के ड्राइवर और कंडक्टरो से मारपीट; 5 युवक हिरासत में

**जयपुर. कासं।** जयपुर में हरमाड़ा एरिया में टोरडी मोड़ पर देर रात कुछ युवकों ने लो-फ्लोर बस संचालकों और कंडक्टरों पर लाठी-पत्थरों से हमला कर दिया। इस घटना में 9 बसों के शीशे तोड़ दिए साथ ही बसों के कंडक्टर और ड्राइवरों से भी मारपीट की। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने इस मामले में 4-5 युवकों को हिरासत में लिया है। मामला टोरडी के पास विनायक पेट्रोल पंप का है और मारपीट करने वाले युवक पेट्रोल पंप के पास बने शिवानन्दम रिसोर्ट के हैं। लो फ्लोर बस का ड्राइवर और शिकायतकर्ता विष्णु कुमार ने हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि बुधवार राम को वह और उसके कुछ अन्य साथी 9 बसों में डीजल डलवाने के लिए पेट्रोल पंप पहुंचे। यहां बस का एक कोना रिसोर्ट के सामने आने पर रिसोर्ट के मालिक और कर्मचारी आकर बस को हटाने के लिए कहने लगे। इस बात पर कहासुनी हो गई और विवाद बढ़ गया। हमने जब बस हटाई तो उन्होंने बहस करते हुए गाली-गलौच की और मारपीट करने लग गए।

### 9 बसों को तोड़ दिए शीशे

इस घटना के दौरान रिसोर्ट के मालिक रोहित और उसके साथी नितेश व दिनेश ने मारपीट करने के लिए और 10-15 युवकों को बुला लिया। कार में आए इन युवकों ने वहां मौजूद गार्ड और गाड़ी के ड्राइवरों से लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। वहीं बसों पर पत्थर फेंक कर 9 बसों के शीशे तोड़ दिए। इस घटना के दौरान राजकुमार और महेन्द्र कुमार के सिर और हाथ पर गहरी चोट आ गई।

### 5 युवक हिरासत में

घटना की रिपोर्ट दर्ज होने और वीडियो सामने आने के बाद हरमाड़ा थाना पुलिस ने इस मामले में 5 युवकों को हिरासत में लिया है। इसके अलावा मामले की आगे की जांच पुलिस कर रही है। आपको बता दे कि टोरडी में ही जेसीटीएसएल का बस डिपो है जहां बसों की पार्किंग होती है। यहां से बसें डीजल लेकर शहर में रूटिन सर्विस पर जाती हैं।

# जनकपुरी में मनाया गया भगवान पद्म प्रभु का मोक्ष कल्याणक

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री पद्मप्रभ जिनराज जी, मोहे राखो हो शरनाऽ के उच्चारण के साथ जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में गुरुवार को जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान श्री 1008 पद्म प्रभु का निर्वाण महोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया गया । मन्दिर समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि भगवान पद्मप्रभु का जन्म कोशाम्बी नगरी में हुआ तथा निर्वाण मोहन कूट सम्मेद शिखर पर्वत पर हुआ था। मन्दिर में अभिषेक वृहत शान्तिधारा व पूजन के बाद निर्वाण काण्ड का वाचन किया गया तथा इसके बाद भगवान पद्म प्रभु के मोक्ष कल्याण का अर्घ - ''फागुन-वदी-चतुर्थी को, मोक्ष गये भगवान-इन्द्र आय पूजा करी, मैं पूजौं धर ध्यानक्कमोहे राखो हो शरना श्री पद्मप्रभ जिनराज जी मोहे राखो हो शरना'' बोलते हुए जयकारो के साथ निर्वाण लाडु श्रीफल व दीपक के उपस्थित श्रावकों द्वारा चढ़ाया गया ।

## तीर्थंकर पद्म प्रभ जी के मोक्ष कल्याणक पर लड्डू चढ़ाया

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में भगवान पद्म प्रभ जी के मोक्ष कल्याणक मनाया। मंत्री राजेंद्र काला ने बताया कि इस अवसर पर मोक्ष कल्याणक का अर्घ्य चढ़ाते हुए निर्वाण लाडू चढ़ाया गया।

# जैन समाज के चार दिवसीय आयात-निर्यात प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

## पूरे देश से शामिल हो रहे युवा उद्यमी। आचार्य सुनील सागर महाराज का मिला सानिध्य

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** व्यापार करना जैन बन्धुओं का खानदानी पेशा रहा है। पीढ़ी दर पीढ़ी श्रावकगण व्यापार, व्यवसाय करते आये है।आज के इस भौतिक युग में आयात-निर्यात प्रशिक्षण शिविर युवाओं एवं उद्यमियों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। ये विचार आचार्य सुनील सागर महाराज ने पदमपुरा के धाडूका सभागार में आयात-निर्यात प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ समारोह में अपने उदबोधन में व्यक्त किए। आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में जैन समाज द्वारा अनूठा कदम उठाया जाकर श्रावक सेवा संस्था के तत्वावधान में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में जैन बन्धुओं के लिए पहली बार चार दिवसीय विदेश व्यापार कार्यशाला आयात-निर्यात प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष पं.महावीर मनु जैन एवं मुख्य समन्वयक कमल बाबू जैन ने बताया कि आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरुवार,9 फरवरी से रविवार,12 फरवरी तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के धाडूका सभागार में किया गया है ।समन्वयक भाग चन्द जैन ने बताया कि गुरुवार,9 फरवरी को दोपहर से शुरू हुए इस शिविर में प्रसिद्ध समाजसेवी राजीव -सीमा जैन गाजियाबाद मुख्य अतिथि तथा समाजसेवी देव प्रकाश खण्डाका,धर्म चन्द पहाड़ियां ,राज कुमार कोठ्यारी विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि राजीव -सीमा जैन गाजियाबाद ने भगवान पदम प्रभु के चित्र का अनावरण के बाद दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया। आचार्य श्री सुनील सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट का पुण्यार्जन भी राजीव -सीमा जैन गाजियाबाद को ही मिला। मंगलाचरण हेमा जैन ने किया। अध्यक्ष पं.महावीर मनु जैन ने स्वागत उदबोधन देते हुए शिविर की भूमिका एवं रुपरेखा बताई।

## पंचकल्याणक के चौथे दिवस केवलज्ञान

# मुनि आदिनाथ की आहारचर्या के साथ, समोशरण की रचना एवं दिव्यवाणी खिरी

राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

**पथरिया, दमोह।** विरागोदय तीर्थ में चल रहे पंचकल्याणक महामहोत्सव के चतुर्थ दिन गुरुवार को होने वाले धार्मिक आयोजन में प्रातः भगवान का अभिषेक व शांति धारा हुई तथा देव शास्त्र गुरु व अन्य नियमित पूजा के साथ ही भगवान आदिनाथ के ज्ञान कल्याणक की पूजा हुई।

### मुनिआदिनाथ की आहारचर्या का अद्भुत नजारा

विरागोदय तीर्थ की परिसर में मुनि आदिनाथ की आहारचर्या का अद्भुत नजारा था जहाँ एक साथ 81 मुनियों के पड़गाहन हजारों लोगों के

द्वारा किया जा रहा था सभी लोग हे स्वामी नमोस्तु नमोस्तु कर रहे थे भारत गौरव गणाचार्य श्री108 विराग सागर जी ने राजा श्रेयांस विकास रीता जैन दिल्ली एवं राजा सोम प्रतीक आरती जैन दादी सुधारानी जैन बीना वालो के चौके में सम्पन्न कराई। **समोशरण की रचना एवं भगवान की दिव्यवाणी खिरी:-** 81 समोशरण की रचना धनपति कुबेर द्वारा की गई जहां भगवान की मंगलकारी वाणी का गणाचार्य गुरुदेव विराग सागर जी के द्वारा लाभ भी मानवों को प्राप्त हुआ। पथरिया के विरागोदय तीर्थ मे गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आयोजित महामहोत्सव में पधारे समस्त आचार्य मुनि महाराज सहित साधु-संतों को नैनागिरि जी की वंदना दर्शनार्थ पधारने की प्रार्थना निवेदन व श्रीफल समर्पित करने के साथ ही महामहोत्सव मे सम्मिलित सभी पात्रों एवं पधार रहे महानुभावों को नैनागिरि जी दर्शनार्थ आमंत्रित किया । नैनागिरि कमेटी के राजेश रागी , अशोक बम्हौरी, देवेंद्र लुहारी, वीरेंद्र सिंघई ,सुखानंद शाह ,सुरेश गूगरा, सुरेश सुनवाहा, मनोज बंगेला ,राकेश जैन, भागचंद्र, देवेन्द्र देव सहित सैकड़ों लोग सम्मिलित रहे ।

## जयपुर से दमोह-पथरिया के लिए गया 51 यात्रियों का एक दल

**फागी. शाबाश इंडिया।** आचार्य 108 विरागसागर जी महाराज, आचार्य विशुद्ध सागर जी , आचार्य विभव सागर जी तथा प्रवचन केसरी मुनि विश्रांत सागर जी महाराज ससंघ सहित अनेक संघों के पावन सानिध्य दमोह- पथरिया में चल रहे भव्य पंचकल्याणक महोत्सव में जयपुर के दुगार्पुरा रेलवे स्टेशन से आचार्य संघों के दर्शनार्थ हेतु 51 यात्रियों का एक दल गया।जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त यात्रियों का दल आचार्य विरागसागर जी महाराज ससंघ से पावन आशीर्वाद प्राप्त करेगा, गोधा ने अवगत कराया कि उक्त संघ में आचार्यो, मुनियों, आर्यिकाओं सहित करीब 360 पिच्छिका धारी साधु संतों का पहली बार संत समागम देखने को मिलेगा। उक्त दल में सुमति प्रकाश -शारदा पाटोदी जयपुर, भागचंद पाटनी विवेक विहार श्याम नगर, दिलीप कुमार जैन, मोतीलाल जैन, धर्म चंद जैन, मुकेश जैन खोरा बिसल, प्रेमचंद गोधा लदाना, डाक्टर राहुल जैन लदाना, दीपक पहाड़िया सांगानेर तथा राजाबाबू गोधा फागी सहित काफी गणमान्यजन, श्रावक श्राविकाऐं साथ साथ जा रहे हैं।

## वेद ज्ञान

### जीवन में नैतिकता

नैतिक जीवन का आशय नीति के अनुसार जीवनयापन करना है। ऐसा तभी संभव है जब मनुष्य अपने अहंकार, स्वार्थ और अनावश्यक भय से मुक्त होकर अपने जीवन की साधना करे। मनुष्य का नैतिक गुण ही संपूर्ण मानवता का श्रृंगार है। किसी भी व्यक्ति को सही-गलत के मापदंड पर परखा जाता है। ये मापदंड ही मूल्य कहलाते हैं और ये मूल्य उसका धर्म कहलाता है। यानी धर्म का अभिप्राय मनुष्य के अपने मन के मुताबिक आचरण करना है। यह आचरण उसके नैतिक मूल्य हैं और इसी मापदंड पर उसे जांचा-परखा जाता है। मनुष्य के नैतिक गुणों का प्रभाव उसके समस्त क्रिया-कलापों पर पड़ता है और उसका संपूर्ण व्यक्तित्व इससे प्रभावित होता है। व्यक्ति की शिक्षा और उसके आसपास का परिवेश उसके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ता है। व्यक्ति को ऐसी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए जो न केवल उसका बौद्धिक विकास करे, बल्कि उसमें जिज्ञासा भी उत्पन्न करे। जिज्ञासा व्यक्ति को सत्य की खोज के लिए प्रेरित करती है और उसे आत्मज्ञान की ओर ले जाती है। अपनी अंतरात्मा की आवाज के अनुसार ही वह अपने कर्तव्यों का पालन करता है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि मनुष्य की अंतरात्मा जिस कार्य के लिए मना करे उसे कभी नहीं करना चाहिए। नैतिकतापूर्ण जीवन जीने वाला मनुष्य ही दूसरों के लिए आदर्श बन सकता है और ऐसे व्यक्ति सफलता को प्राप्त नहीं करते, बल्कि सफलता इन्हें प्राप्त करती है। नैतिकता से समाज और राष्ट्र की भी प्रगति होती है और जो मनुष्य नैतिकता से विमुख हो जाता है उसकी और उसके समाज की दुर्गति निश्चित है। नैतिक मूल्यों के अभाव में ही समाज में असंतोष फैलता है और अपराध होते हैं। इसके विपरीत जिस मनुष्य के जीवन में शिष्टाचार, सदाचार, अनुशासन, मर्यादा है उसके परिवार और देश में शांति रहेगी। महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस का कहना है कि यदि आपका चरित्र अच्छा है तो आपके परिवार में शांति रहेगी। यदि आपके परिवार में शांति रहेगी तो समाज में शांति रहेगी। यदि समाज में शांति रहेगी तो राष्ट्र में शांति रहेगी। हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने अहंकार व स्वार्थ को त्यागकर ईमानदारी, विनम्रता, त्याग, परोपकार जैसे गुणों को अपने जीवन में स्थान दे।

## संपादकीय

# नदियों का प्रदूषण बहुत बड़ी समस्या है...

मगर सच्चाई यह है कि देश की तमाम नदियों का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया है। यही नदियां गंगा और यमुना आदि मुख्य नदियों में जाकर मिलती हैं और उनका प्रदूषण और बढ़ा देती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि देश की दो सौ उनासी नदियां तीन सौ ग्यारह जगहों पर पहुंच कर प्रदूषित हो जाती हैं। यह रपट संसद में पेश की गई। हालांकि सरकार का कहना है कि नमामि गंगे योजना और नदी संरक्षण योजना के अंतर्गत चलाई जा रही परियोजनाओं के चलते नदियों में प्रदूषण रोकने में काफी मदद मिली है। मगर हकीकत क्या है, यह देश की किसी भी नदी को साक्षात देखने से प्रकट हो जाती है। कई जगहों पर तो केंद्र और राज्य सरकारों के बीच इन नदियों को प्रदूषण मुक्त करने को लेकर सियासी रस्साकशी तक देखी जाती है। हालांकि यह रिपोर्ट कोई

पहली बार नहीं आई है और न नदियों में बढ़ते प्रदूषण स्तर के कारण ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से छिपे हैं, मगर इस पर काबू पाना क्यों कठिन बना हुआ है, इसका सही उत्तर शायद कोई देना नहीं चाहता। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हर बार अपने अध्ययन में यह तथ्य पेश करता है कि विभिन्न शहरों में लगी औद्योगिक इकाइयों और आवासीय परिसरों से निकलने वाले जल-मल को बिना शोधन के नदियों में गिराए जाने की वजह से यह प्रदूषण बढ़ता है। जल शोधन संयंत्र लगाने की जरूरत सालों से रेखांकित की जाती रही है, मगर न तो राज्य सरकारों ने इसे गंभीरता से लिया और न कल-कारखानों में इसे कड़ाई से लागू किया जा सका है। अलग-अलग जगहों पर औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले गंदे पानी की प्रकृति अलग-अलग होती है। जिन जगहों पर कपड़े की रंगाई आदि का काम होता या चमड़े का प्रसंस्करण किया जाता है, उन कारखानों से निकलने वाले पानी में जहरीले तत्त्वों का स्तर बहुत ऊंचा होता है। इसी तरह स्टील की सफाई आदि के कारखानों से निकलने वाले पानी में जहरीले तत्त्व घुले-मिले होते हैं। जिन इलाकों में रासायनिक उत्पाद बनते हैं, वहां से निकलने वाले पानी को सीधे बहा देना किसी भी रूप में खतरे से खाली नहीं होता। यह बात केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अच्छी तरह जानता है, पर कभी संजीदगी से इसे रोकने का प्रयास करता नहीं देखा जाता। कभी-कभार भारी दबाव बनने पर वह कुछ कारखानों के खिलाफ औपचारिक कार्रवाइयां जरूर कर देता है। कुछ दिनों पहले ही जलवायु परिवर्तन को लेकर हुए विश्व सम्मेलन में यूनेस्को ने स्वीकार किया कि भारत के पास नदियों की बड़ी संपदा है और उनके किनारे प्राकृतिक वातावरण तैयार कर कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी लाई जा सकती है। इसके लिए वित्तीय मदद की भी पेशकश की गई। मगर यह तभी कारगर साबित हो पाएगा, जब कारखानों और शहरी बस्तियों से निकलने वाले गंदे पानी को नदियों में सीधे गिरने से रोका जाए। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# बढ़ते जोखिम...

भारत ने एक बार फिर इंटरनेट की दुनिया में बढ़ते जोखिम के मद्देनजर बड़ी कार्रवाई करते हुए यह सख्त संदेश दिया है कि अगर आधुनिक तकनीकी के नाम पर धोखाधड़ी या ठगी जैसी अवांछित गतिविधियां चलाई जाएंगी तो उसे निर्बाध नहीं छोड़ा जा सकता। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि स्मार्टफोन या टैब के जरिए कुछ सुविधाओं के लिए लोग अलग-अलग ऐप के इस्तेमाल पर निर्भर होते जा रहे हैं। मगर सुविधा के साथ-साथ कई ऐप आज ठगी और धोखाधड़ी का भी हथियार बन रहे हैं। इस तरह के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी के मद्देनजर इनसे सावधान रहने और बचने की सलाह तो दी जा रही थी, मगर जागरूकता की कमी की वजह से कई लोग इसके शिकार हो जाते थे। ऐसे ज्यादातर ऐप चीन में बनाए गए और वहीं से संचालित भी होते हैं। इसी के मद्देनजर सरकार ने इस बार दो सौ बत्तीस चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाने का आदेश देकर यह बताने की कोशिश की है कि अगर तकनीकी को फजीवाड़े का हथियार बनाया जाएगा तो ऐसा करने के लिए उसे खुला नहीं छोड़ा जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले भी सरकार कई चरणों में चीन आधारित ऐप पर पाबंदी लगा चुकी है, ताकि इनके जरिए अवांछित गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। लेकिन इंटरनेट की दुनिया इतनी विस्तृत है कि धोखाधड़ी करने वाले कोई नया चोर दरवाजा तलाश लेते हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सरकार ने इस बार जिन दो सौ बत्तीस ऐप पर पाबंदी लगाने का आदेश जारी किया, उनमें एक सौ अड़तीस सट्टा लगाने वाले और चौरानबे ऋण देने के नाम पर अपना कारोबार चला रहे थे। ऋण देने वाले ऐप के जरिए लोगों को मामूली दर पर पैसा मुहैया कराया जाता है, मगर किसी ग्राहक के इस जाल में फंसने के बाद उनसे तीन हजार फीसदी तक ब्याज की रकम वसूली की जाती है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने में सक्षम नहीं होता तो उसे कई तरह से परेशान किया जाता है। ऐसी अनेक खबरें आ चुकी हैं, जिनमें इन ऐप के जरिए कर्ज के जाल में फंसे कुछ व्यक्तियों ने आत्महत्या तक कर ली। इसके अलावा, कई ऐप का बेजा इस्तेमाल जासूसी और झूठा प्रचार के तौर पर भी किए जाने की आशंका खड़ी हो रही थी। इनसे भारतीय नागरिकों की निजी जानकारियों या डेटा की सुरक्षा पर जोखिम पैदा हो सकता था। जाहिर है, ये ऐप एक तरह से देश में अस्थिरता पैदा करने के लिहाज से भी खतरनाक साबित हो सकते थे। दरअसल, आधुनिक तकनीकी और विज्ञान ने मनुष्य के जीवन को आसान और बेहतर गुणवत्ता से लैस किया है। लेकिन यह भी हुआ है कि इसके इस्तेमाल के साथ कई तरह के जोखिम भी सामने आए हैं। खासतौर पर जिस तरह की तकनीकी ने अपने विस्तार के साथ आम लोगों तक पहुंच बनाई है, उसी अनुपात में उनके उपयोग को लेकर जागरूकता और प्रशिक्षण का स्तर अभी काफी कम है। उदाहरण के लिए स्मार्टफोन संवाद के अलावा कई तरह के काम की सुविधा और गुणवत्ता के लिए एक बेहतर तकनीक है। लेकिन इसमें अलग-अलग ऐप के रूप में रोज जुड़ रही नई सुविधाएं प्रथम द्रष्टया बेहद उपयोगी लगती हैं, मगर उनका उपयोग जोखिम भी साथ लाता है। पिछले कुछ समय से इन ऐप का इस्तेमाल करने वाले बहुत सारे लोग विभिन्न रूपों में धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं।

## दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा वेलेन्टाइन कार्यक्रम 12 फरवरी को

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा वेलेन्टाइन कार्यक्रम 12 फरवरी को सांगानेर एयरपोर्ट के पास स्थित चीलगाड़ी रेस्टोरेंट मे आयोजित किया जायेगा। ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि लाईव म्यूजिक बेंड के साथ वेलेन्टाइन थीम पर यह आयोजन साय 4 बजे से आयोजित किया जायेगा। कार्याध्यक्ष मनीष-शोभाना लोंग्या ने बताया कि कार्यक्रम के लिये सुनील - सुनीता गोदिका व राजेश - रीतू छाबड़ा को समन्वयक तथा सुधीर -अलका गोधा व राकेश-नीरा लुहाडिया को सयोजक बनाया गया है।

# विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

**गोपाल मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि वह संस्था के इस पुनीत कार्य में हर संभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। सुरेश कौल,संस्था अध्यक्ष ने संस्था की गतिविधियों पर विस्तृत से प्रकाश डाला।**

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सार्थक मानव कुष्ठ आश्रम द्वारा संचालित रामगढ़ पुनः स्थापन केंद्र में सार्थक मानव कुष्ठ आश्रम, लेबेन ओहने लेप्रा, जर्मनी एवं लायंस क्लब ऐम्स जुम्मे लेडे जुम्मे के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए। केंद्र के आसपास के लगभग 500 से अधिक व्यक्ति इस शिविर से लाभान्वित हुए। शिविर के उद्घाटन सत्र में जर्मनी की प्रसिद्ध समाजसेवीका एस्ट्रिड मुकली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रही। गोपाल मीणा विधायक जमवारामगढ़ ने समारोह की अध्यक्षता की। एस्ट्रिड ने अपने संबोधन में कहा कि वह भी अपनी मां थिया मुकली की तरह इस समाज सेवा के कारवां को अनवरत जारी रखेगी। गोपाल मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि वह संस्था के इस पुनीत कार्य में हर संभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। सुरेश कौल,संस्था अध्यक्ष ने संस्था की गतिविधियों पर विस्तृत से प्रकाश डाला। समारोह का संचालन मुकेश शर्मा ने किया।

# पदमप्रभु भगवान का मोक्ष कल्याण पर्व मनाया

**शाबाश इंडिया. मोहन सिंहल**

**टोंक** । श्री दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक में बुधवार को प्रातकाल श्री 1008 पदमप्रभु भगवान का मोक्ष कल्याण पर्व  बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।इस मौके पर समाज के लोगों के द्वारा प्रातकाल अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात पदमप्रभु भगवान की पूजा करके निर्वाण कांड बोलकर निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया ।इस मौके पर समाज के श्यामलाल जैन, विकास अत्तर, ओम आंडरा,ओम ककोड़, निहाल जैन, पवन कंटान,अंकुर पाटनी, ज्ञानचंद जैन, सुरेंद्र अजमेरा आदि समाज के लोग मौजूद थे ।

# जेएसजी संगिनी फोरम जनक ने लगाया दंत चिकित्सा शिविर

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

बंधुत्व के साथ, सेवा की ओर बढ़ते कदम के अंतर्गत जेएसजी संगिनी फोरम जनक ने  दंत  चिकित्सा शिविर लगाया। सांगिनी अध्यक्ष रश्मि जैन ने बताया कि  8 फरवरी को  को जनक संगिनी ग्रुप द्वारा विवान हॉस्पिटल वैशाली नगर मे दंत चिकित्सक डॉक्टर दिपांशु झोटहरा  के सानिध्य मे आयोजित शिविर मे महिलाओं के दातो का चेकअप करवाया ।इस अवसर पर दांतों की केयर कैसे की जाये इसकी जानकारी भी डॉक्टर दीपांशु ने दी। इस अवसर पर रेणु जैन संरक्षक, अध्यक्ष रश्मि जैन, कविता जैन सचिव, सीमा, प्रेमलता, डोली एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य संगिनी फारम जेएसजी जनक जयपुर उपस्थित रही।

Happy Anniversary
श्री दीपक-समता जैन
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के सम्मानित सदस्य
को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाइयां

10 फरवरी
मोबाइल: 9461551545
शुभकामनाओं सहित
संजय छाबड़ा 'आवा' अध्यक्ष | प्रदीप जैन सस्थापक अध्यक्ष | अनुज जैन सचिव
समस्त जैन सोश्यल ग्रुप महानगर परिवार

Happy Anniversary
श्री आशीष-अर्चना तोतुका
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के सम्मानित सदस्य
को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाइयां

10 फरवरी
मोबाइल: 9829013116
शुभकामनाओं सहित
संजय छाबड़ा 'आवा' अध्यक्ष | प्रदीप जैन सस्थापक अध्यक्ष | अनुज जैन सचिव
समस्त जैन सोश्यल ग्रुप महानगर परिवार

# 1008 श्री पद्मप्रभु भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव उत्साह पूर्वक मनाया

**शाबाश इंडिया. प्रकाश पाटनी।** भीलवाड़ा. बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में 1008 श्री पद्मप्रभु भगवान का मोक्षकल्याणक महोत्सव बड़े धूम-धाम हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। प्रातः श्रीमती मंजूषा जैन ने 108 रिद्धि मंत्रों का उच्चारण किया।मूलनायक बड़े बाबा पद्मप्रभु भगवान सहित सभी प्रतिमाओं पर महामस्तकाभिषेक किया गया।इस उपरांत महेश कुमार काला एवं राजकुमार शाह ने मूलनायक श्री पद्मप्रभु भगवान पर, रूपेश कासलीवाल ने श्री आदिनाथ भगवान पर, सुनील सबलावत ने मुनीसुव्रतनाथ भगवान पर शांति धारा की तथा अन्य प्रतिमाओं पर भी श्रावको द्वारा शांतिधारा की गई। प्रचार एवं संगठन मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि पद्मप्रभु भगवान की पूजा-अर्चना बड़े ही भक्ति भाव से करने के बाद निर्वाण कांड पाठ द्वारा कमल चंद, अक्षय कुमार गंगवाल परिवार ने निर्वाण लाडू समर्पित किया जयकारों से सारा वातावरण गूंज उठा।इस अवसर पर बड़ी संख्या में धमार्लुगण उपस्थित थे। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि सायंकाल 108 दीपों से भक्तामर महाआरती की गई।

## नेहरू नगर के श्रीसीताराम मंदिर में भागवत कथा

## सच्चे मन से करो ईश्वर की प्रार्थना: गोविन्द भैया महाराज

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

नेहरू नगर स्थित श्री सीताराम जी मंदिर में चल रहे श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ में व्यासपीठ से वृंदावन के गोविन्द भैया महाराज ने गुरुवार को जड़भरत चरित्र,प्रहलाद चरित्र व वामन अवतार प्रसंग की कथा सुनाई,जिसे सुन श्रद्धालू भाव विभोर हो उठे।इस मौके पर वृंदावन के गोविन्द भैया महाराज ने कि प्रार्थना एक ऐसी संस्तुति है जो अपने इष्ट के प्रति बिना किसी देरी के बिना किसी के सहारे तत्क्षण परमात्मा के पास पहुंच जाती है। उन्होंने बताया कि संसार की किसी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने के लिए पोस्टमैन की आवश्यकता पड़ती हैं, लेकिन हृदय से समर्पित की गई प्रार्थना एक ऐसी अभिव्यक्ति है जो बिना किसी पोस्टमैन के ही तत्क्षण गन्तव्य स्थान तक पंहुच जाती है। भक्त प्रहलाद प्रसंग पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भगवान का परम भक्त प्रहलाद, जिसे कि पिता हिरण्यकशिपु ने अति भयंकर कष्ट दिए, यहाँ तक किया श्री प्रहलाद जी को विष पिलाया गया, हाथी से कुचलवाया गया, अग्नि में जलाया गया। तरह-तरह की यातनाएं दी गई,परन्तु श्री प्रहलाद जी हर जगह अपने प्रभु का ही दर्शन करते थे। इसलिए उन्हें कहीं भी किसी भी प्रकार की पीड़ा का एहसास नहीं हुआ। उन्हें विश्वास था कि हमारे प्रभु सदा-सर्वदा सर्वत्र विराजमान रहते है। तो प्रभु श्रीनृसिंह भगवान भक्त के विश्वास को पूर्ण करते हुए खम्भ से प्रगट होकर यह दिखा दिया कि भक्त की इच्छा एवं विश्वास को पूर्ण करने के लिये वह कहीं भी किसी भी समय प्रगट हो सकते है। आचार्य श्री ने कहा कि जीव को किसी की निन्दा स्तुति करने के बजाय भगवान की ही चर्चा करनी एवं सुननी चाहिये। प्रभु चरित्रों को श्रवण करने से भगवान का चिन्तन करने से की कृपा निश्चित रूप से प्राप्त होती है।

Happy Anniversary

श्री राकेश- समता गोदिका

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के अध्यक्ष

मोबाईल: 9414078380

की वैवाहिक वर्षगाठ (10 फरवरी) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं

शुभेच्छु

परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

# राजस्थान संगीत संस्थान जयपुर में वार्षिकोत्सव एवम पुरस्कार वितरण आयोजित

## वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान संगीत संस्थान जयपुर में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह 2023 का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सुनील शर्मा आयुक्त कॉलेज शिक्षा रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजीव जैन विशिष्ट अतिथि रहे। प्राचार्य डॉ वसुधा सक्सेना ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर वीणा समूह के निदेशक के सी मालू को 'कला श्री' सम्मान प्रदान किया गया। छात्र संघ के अध्यक्ष खुशबू सिंह, उपाध्यक्ष दिशांत साहू, महासचिव केशव तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक समिति संयोजक डॉ गौरव जैन ने बताया कि कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रस्तुतियां संस्थान के विद्यार्थियों ने दी- सामूहिक गायन राग नट भैरव पर आधारित तराना निर्देशन डॉ विजेंद्र गौतम, सामूहिक वायलिन वादन राग बिहाग पर आधारित फ्यूजन निर्देशन डॉक्टर साक्षी शर्मा , सामूहिक कथक नृत्य राग मालकोश पर आधारित तराना कथक नृत्य के तोड़े पर तत कार आदि प्रस्तुत किए निर्देशन डॉ कविता सक्सेना, सामूहिक तबला वादन तीन ताल में तबला वादन किया जिसमें कायदा लेला टुकड़े आदि प्रस्तुत किए जिसका निर्देशन तबला गुरु डॉ विजय सिद्ध ने किया, सामूहिक होली नृत्य आज बिरज में होरी रे रसिया जिसका निर्देशन डॉ कविता सक्सेना ने किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ वन्दना खुराना तथा संस्थान के विद्यार्थी धर्मेश और यशराज ने किया।

### अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी ने कहा...

**जो चादर से ज्यादा अपने पांव फैलाते हैं...एक दिन उनकी नौबत हाथ फैलाने की आ जाती है**

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

समझदार या बुद्धिमान व्यक्ति उन चीजों के लिए दुखी, परेशान नहीं होता जो उसके पास नहीं है। बल्कि उन चीजों से खुश होता है जो उसके पास मौजूद है। इसलिए जो नहीं है उसकी इच्छा करके, जो है उसे बर्बाद मत करो। मैं देख रहा हूं - संसार का सबसे समझदार इन्सान, आज जो प्राप्त है उससे खुश नहीं है। जो नही मिला उसके लिए परेशान दुखी होकर गा रहा है "मेरा जीवन कोरा कागज, कोरा ही रह गया"। आदमी की फि तरत है, सब कुछ मिलने के बाद भी संतुष्ट नहीं हो पाता। उससे ज्यादा की चाह, उसे हताश और निराश करती रहती है। आप जीते जी इस जीवन में सन्तुष्ट नहीं हो सकते। संतुष्टी मन की वह अतल गहराई में छिपी शक्ति है, जो इस जीवन में खोजना नामुमकिन सा जान पड़ता है। बड़े बड़े ज्ञानी साधु सन्त गीली लकड़ी की तरह, (गीली लकड़ी को चूल्हे में डालो तो जलती कम धुआ ज्यादा करती है) अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिये भाग दौड़ कर रहे हैं। सत्य को स्वीकारना आसान बात नहीं है।

### आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com